हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

13 शोभायात्रा निकालकर मनाई गुरु रविदास जयंती

14 225 बेड का आयुर्वेद चिकित्सालय बनेगा : बेदी

खबर संक्षेप

विक्रम बने एडवोकेट वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष

बहादुरगढ़। अधिवक्ता विक्रम सिंह छिल्लर को सर्वसम्मति से एडवोकेट वेलफेयर ट्रस्ट का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनके अलावा उपाध्यक्ष के पद पर अशोक अहलावत, सचिव के रूप में अजय कुमार तथा कोषाध्यक्ष के रूप में प्रियंका को नियुक्त किया गया है। विक्रम सिंह छिल्लर के अनुसार वकील न्याय व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके अधिकारों, सम्मान व सुरक्षा की रक्षा करना ट्रस्ट की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

कन्या गुरुकुल में कल होंगी प्रतियोगिताएं

बहादुरगढ़। गांव लोवा कलां स्थित कन्या गुरुकुल में राष्ट्रीय शिक्षा संगम (हरियाणा) एवं श्री रंजीत स्मारक शांति निकेतन कन्या गुरुकुल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 3 फरवरी को सांस्कृतिक एवं शैक्षिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा के जिला प्रधान आर्य हरिओउम दलाल ने बताया कि इस अवसर पर शिक्षा संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष लवकुश, हरियाणा प्रांतीय संयोजक आचार्या शिवानी, स्वावलंबन प्रमुख निर्भर शंकर गुप्ता व दिल्ली राज्य प्रभारी भावेश अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। विभिन्न समूहों की तीन प्रकार की प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें आशु भाषण, योग व श्लोक प्रतियोगिता शामिल हैं।

छारा में दो किसानों के खेत से मोटरें चोरी

बहादुरगढ़। ग्रामीण क्षेत्र में खेतों से चोरी की वारदात नहीं थम रही। अब छारा गांव में वारदात हो गई। यहां के निवासी नीरज तथा पवन के खेतों से दो मोटरें चोरी हो गई। जब वे खेतों में गए तो वारदात का पता चला। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। फिर पुलिस को शिकायत दी। मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

झज्जर। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविरों का आयोजन सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल लोगों की समस्याएं सुनेंगे, जबकि उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनेंगे।

गाड़ी व कैश चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सदर थाना पुलिस ने गाड़ी और कैश चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा कार भी बरामद कर ली गई है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सदर थाना प्रभारी नरेश कुमार के मुताबिक, सोनीपत निवासी विजय ने शिकायत दी थी कि सेक्टर 13 में उसकी दुकान है। गत 30 जनवरी को वह आफिस आया तो बाहर खड़ी उसकी गाड़ी गायब थी, जबकि अंदर से दो गाड़ियों की चाबियां व नकदी भी नहीं मिली। इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए अंकित निवासी विशाल नगर रोहतक को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर चोरी की गई वेन्यू गाड़ी बरामद कर ली। पुलिस चोरी के इस मामले में दूसरे आरोपी की भी तलाश कर रही है।

बंदर ने आंगन में बैठे 80 वर्षीय बुजुर्ग का होंठ काटा, आज पीजीआई में सर्जरी

ऋषि कॉलोनी में बंदर ने दो सप्ताह में किया तीन लोगों पर हमला, पकड़ने के अभियान का नहीं दिख रहा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर की ऋषि कॉलोनी में रविवार दोपहर उत्पाती बंदर ने घर के आंगन में बैठकर आराम कर रहे एक बुजुर्ग पर एकाएक हमला कर दिया। बंदर ने बुजुर्ग का होंठ काट डाला, जिस कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। करीब 80 वर्षीय बुजुर्ग हवा सिंह पोस्टमास्टर के पद से रिटायर्ड हैं और प्रायः घर पर ही रहते हैं। यह घटना उस दौरान हुई जब बुजुर्ग हवा सिंह दोपहर करीब डेढ़ बजे अपने आंगन में चारपाई पर बैठकर आराम से फोन चला रहे थे। इसी दौरान एक उत्पाती बंदर अचानक आ धमका और उन पर हमला बोल दिया। उस दौरान हवा सिंह के बेटे विनोद मामोडिया व पौत्र सुमित भी गेट पर ही खड़े थे। आवाज सुनकर जब वे घर के अंदर आए इतनी देर में बंदर भाग निकला। विनोद मामोडिया ने बताया कि इसके बाद वह अपने पिता को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। यहां चिकित्सकों ने उनके पिता की मरहम पट्टी करके बताया कि उनकी सर्जरी होगी।

बंदरों के काटने के ये जख्म प्रशासन पर खड़े कर रहे सवाल, बार-बार एक ही जगह हमला तो क्यों नहीं भेजी जा रही बंदर पकड़ने को टीम

सभी के मुंह पर हमला बोलता है बंदर

कॉलोनीवासी अनिल पांचाल ने बताया कि इस क्षेत्र में बंदरों का उत्पात निरंतर जारी है। पहले भी उत्पाती बंदरों द्वारा कई लोगों को अपना निशाना बनाया जा चुका है। कॉलोनीवासियों के अनुसार यह उत्पाती बंदर दो सप्ताह के अंदर तीन लोगों के मुंह पर हमला कर चुका है जिसमें स्वर्णकार की दुकान पर काम करने वाला एक युवक तथा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस का कर्मचारी शामिल है। खास बात यह है कि बंदर द्वारा सभी लोगों के मुंह पर हमला बोला गया है। लोगों ने नगर परिषद से बंदर पकड़वाकर दूर भेजे जाने की मांग की है। बता दें कि शहर में उत्पाती बंदरों ने आमजन को काफी परेशान किया हुआ है। प्रतिदिन किसी न किसी क्षेत्र में बंदर द्वारा काटने के मामले सामने आ रहे हैं। नगर परिषद द्वारा भले ही बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान चला रखा है, फिर भी आमजन को इससे राहत नहीं मिल रही है।

अभियान में लाई जाएगी तेजी : सैनी

नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि बंदरों को पकड़ने के लिए नगर परिषद द्वारा अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत एक सौ से करीब बंदरों को पकड़ा भी गया है। अभियान में तेजी लाई जाएगी और प्रयास यही रहेगा कि जल्द ही बंदरों की समस्या से आमजन को निजात दिलाई जाएगी।

बिजली घर में ठेकेदार ने बिना अनुमति 5 से 6 फीट तक मिट्टी उठाई, मचा बवाल

पावर हाउस की जमीन से लाखों की मिट्टी चोरी, जेसीबी व ट्रैक्टर पकड़ा

ठेकेदार ने मलबा हटाने की आड़ में मिट्टी उठवाई, बिजली कर्मचारियों ने रोष जता अधिकारियों को शिकायत की

पावर हाउस की चारदीवारी ढहने की भी आशंका बनी, पार्षद बलराम दलाल ने भी मौके पर आकर घपला उजागर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के झज्जर रोड स्थित बिजली निगम के पावर हाउस परिसर से बड़े पैमाने पर मिट्टी चोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि ठेकेदार ने मलबा उठाने की आड़ में लाखों रुपये की मिट्टी चोरी कर ली। बिजली घर परिसर से करीब 5-6 फीट गहराई तक मिट्टी उठाई गई। बिजली निगम के कर्मचारियों ने मौके पर ठेकेदार की जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर को पकड़ लिया और उच्च अधिकारियों को मामले की सूचना दी।

लालच की इंतहा... इतनी मिट्टी खोदी कि पेड़ों की जड़ें दिखाई देने लगीं

बता दें कि बिजली निगम ने परिसर में स्थित पुरानी इमारत को तोड़ने के लिए ठेकेदार को टेंडर दिया था, लेकिन ठेकेदार ने मलबा हटाने की आड़ में पूरे पावर हाउस परिसर से मिट्टी उठवा ली। वार्ड नंबर-26 के पार्षद बलराम दलाल उर्फ मिंटू पहलवान ने बताया कि यह मिट्टी चोरी रविवार की छुट्टी का फायदा उठाकर की जा रही थी। इसी दौरान बिजली निगम के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन को पकड़ लिया और मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को दी। उन्होंने स्वयं भी बिजली निगम के अधिकारियों को इस लाखों रुपये की चोरी से अवगत किया।

स्थानीय निवासी अमरजीत ने बताया कि मिट्टी चोरी के कारण पावर हाउस परिसर में लगे दर्जन भर से ज्यादा पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। कई साल पुराने छायादार पेड़ों की जड़ें बाहर दिखाई देने लगी हैं। ऐसे में उनके कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा पावर हाउस की चारदीवारी की डीपीसी से नीचे की मिट्टी हटाए जाने के कारण दीवार गिरने का भी खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों ने इस पूरे मामले पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि उच्च अधिकारियों को मामले पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

बहादुरगढ़। खोदी गई मिट्टी की गहराई व पेड़ों की जड़ दिखाते पार्षद व कर्मचारियों द्वारा पकड़ी गई मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली व जेसीबी मशीन।

परनाला में फंदे पर लटका मिला प्रवासी युवक का शव

- परिजनों ने हत्या की जताई आशंका, सुसाइड नोट की लिखावट पर संदेह
- नोट में लिखा- मेरे पैसे मां को दे देना, कंपनी से हिसाब कर चुका था, अब गांव जाना था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव परनाला स्थित एक मकान में प्रवासी युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका हुआ मिला। युवक की मौत को आत्महत्या बताया जा रहा है। एक सुसाइड नोट भी मिला है। हालांकि मौके पर बने हालातों और सुसाइड नोट पर परिजनों ने आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है। असल कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी।

मृतक की पहचान करीब 32 वर्षीय राहुल के रूप में हुई है। राहुल उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से था और फिलहाल यहां परनाला गांव में रह रहा था। एमआईई स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। शनिवार की रात को वह कमरे में फंदे पर लटका हुआ मिला। साथ रहने वाले श्रमिकों ने सूचना दी तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शव को नागरिक अस्पताल में लाया गया। फिर रविवार को परिजनों के बयान के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई गई। बताते हैं कि पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट व कुछ रुपये मिले हैं। सुसाइड नोट में किसी को भी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया।

साथ ही बरामद रुपयों को मां को देने के लिए लिखा गया है। चर्चा है कि राहुल हाल ही में अपनी कंपनी से हिसाब कर आया था और उसे आजकल में अपने गांव लौटना था। गांव लौटने से पहले ही घटना हो गई। उसके साथ यहां कमरे में दो अन्य प्रवासी युवक भी रहते हैं। उधर, दूसरी तरफ राहुल की मौत पर परिजन आहत हैं और सुसाइड की बात उनके गले से नहीं उतर रही। भाई सुरजीत का कहना है कि फंदे पर लगने के दौरान राहुल के पांव जमीन पर टिके थे और सुसाइड नोट में राइटिंग भी उसकी नहीं लगती। बहरहाल, असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। राहुल एक बेटे का पिता था।

मेट्रो पिलर के पास मिला अज्ञात शव

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली रोड पर मेट्रो पिलर नंबर 841 के पास रविवार दोपहर एक व्यक्ति का शव मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लिया और नागरिक अस्पताल में रखवा दिया। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और न ही मौत का कारण स्पष्ट है। उम्र करीब 50 वर्ष आंकी जा रही है। किसी बीमारी से मौत होने की आशंका है। असल कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। पुलिस पहचान के प्रयास कर रही है।

36 लाख से होगा सेक्टर 2 की ग्रीन बेल्ट का सौंदर्यीकरण

- नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने नारियल फोड़कर शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-2 स्थित ग्रीन बेल्ट का करीब 36 लाख रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण होगा। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने नारियल फोड़कर इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा तथा पार्षद कुलदीप राठी भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि सेक्टर-2 की ग्रीन बेल्ट को एक सुंदर, सुरक्षित और उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां पर जरूरत अनुसार चारदीवारी, हरियाली, आकर्षक पौधे, बच्चों के लिए झूले व बैठने के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस अवसर पर जेई आकाश, नीरज, पार्षद राजेश तंवर, मनमोहित गुप्ता, संदीप, संतोष, सविता और राजबीर आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। सेक्टर 2 की ग्रीन बेल्ट के सौंदर्यीकरण का शुभारंभ करती चेयरपर्सन सरोज राठी व अन्य।

बाइक की टक्कर से पैदल जा रहा युवक घायल

बहादुरगढ़। जाखोदा में एलएंडटी कंपनी के निकट एक पैदल राहगीर बाइक की चपेट में आ गया। घायल को नाजुक हालत के चलते पीजीआई रोहतक में भर्ती करवाया गया है। घायल की पहचान पवन यादव के रूप में हुई है, जो बिहार के सुपौल जिले से है और मजदूरी करता है। शाम को वह अपने कुछ साथियों के संग बाजार से अपने कमरे की ओर जा रहा था। एलएंडटी कंपनी के निकट पहुंचा तो पीछे से एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में उसे काफी चोट आई। उसे नागरिक अस्पताल में ले जाया गया, जहां से रेफर कर दिया गया। वह आईसीयू में है। पुलिस जांच कर रही है।

फर्जी दस्तावेजों से रजिस्ट्री कराने पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बादली क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री कराने का मामला सामने आया है। तहसीलदार की शिकायत पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, रोहद निवासी संदीप ने शिकायत दी थी कि वह एक कंपनी में मैनेजर है। बादली तहसील कार्यालय में 26 दिसंबर को एक वसीका पंजीकृत हुई। उस वसीका में जो आकाशदीप सिंघल दिखाया गया है, वह कोई अन्य है। कंपनी का आर्थोराइज्ड लेटर व रेजूलेशन भी फर्जी है और आधार कार्ड व पेन कार्ड भी फर्जी है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जांच शुरू हुई। उक्त वसीका कंपनी की ओर से नांगलोई दिल्ली के निवासी एक शख्स गुरविंद्र के नाम पंजीकृत की गई है। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक दृष्टया रजिस्ट्रेशन एक्ट 1908 की धारा 81, 82, 83 व 84 के उल्लंघन सहित धोखाधड़ी का मामला पाया गया।

तहसील प्रशासन ने रजिस्ट्री निरस्त करने, भूमि की यथास्थिति बहाल करने तथा दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार श्रीनिवास की शिकायत पर पुलिस ने आकाशदीप, गवाह सोमबीर व राहुल के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जज्बा गांव चिमनी के नतीश कुमार की कहानी युवाओं के लिए बनी प्रेरणा, दिव्यांगता के बावजूद नेशनल लेवल पर जीते मेडल

हादसे में पैर गंवाने पर भी नहीं टूटे हौसले, अब नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव चिमनी निवासी नतीश कुमार ने 43वीं सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 27 जनवरी से एक फरवरी तक आर्मी रोइंग नोड, सीएमई, पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित की गई। गौरतलब है कि अप्रैल 2024 में एक सड़क हादसे में नतीश कुमार का दाहिना पैर कट गया था। इस गंभीर हादसे के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और खेल को ही अपनी ताकत बनाते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

जनवरी 2025 में नतीश ने चौधरी छोटू राम स्पोर्ट्स क्लब की रोइंग अकादमी जॉइन की और रोइंग का प्रशिक्षण प्रारंभ किया। कोच चांद चहल, बिजेंद्र और दीपक रेढू के मार्गदर्शन में उन्होंने नियमित और कठोर अभ्यास किया। उनकी मेहनत का परिणाम मार्च 2025 में सामने आया जब उन्होंने भोपाल में आयोजित सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया।

इसके बाद पुणे में आयोजित 43वीं सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीतकर नतीश ने अपनी प्रतिभा और जज्बे को साबित कर दिया। इस उपलब्धि पर उनके पिता सुरेश कुमार और माता नीलम ने कहा कि नतीश ने न केवल अपने परिजनों को गौरवान्वित किया है बल्कि गांव चिमनी, जिले और पूरे प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

झज्जर। पदक जीतने के बाद विजय चिह्न बनाते हुए होनहार खिलाड़ी नतीश।

जर्मनी में दम दिखाएंगी जिले की तीन ताइक्वांडो खिलाड़ी

बहादुरगढ़। दिल्ली में हुई एशियाई ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जिले के पांच खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। इसके साथ ही तीन खिलाड़ियों ने जर्मनी में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। दरअसल, 30 से 31 जनवरी तक दिल्ली के स्टेडियम में एशियाई ताइक्वांडो अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इसमें 34 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। झज्जर जिले के भी पांच खिलाड़ियों ने जोर आजमाइश की, जिनमें से कैडेट अंडर 32 किलो भारवर्ग में निधि, सब जूनियर अंडर-29 किलो भारवर्ग में तनीशा व सब जूनियर अंडर 26 किलो भारवर्ग में राधिका ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं, कैडेट अंडर 37 किलो भारवर्ग में तमन्ना और वरिष्ठ वर्ग के अंडर 87 किलो भारवर्ग में शुभम गुलिया ने रजत पदक जीते। कोच विशाल चतुर्भुज ने बताया कि निधि, तनीषा और राधिका जर्मनी में होने जा रही विश्व चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। विजेता खिलाड़ियों का रणबीर सिंह मॉडल स्कूल के चेयरमैन होशियार सिंह गुलिया व प्रिंसिपल किरण वर्मा आदि ने अभिनंदन किया।

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

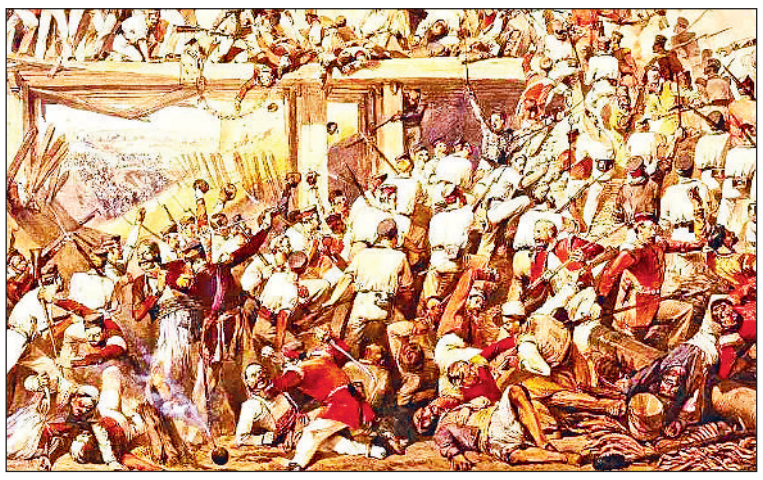

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र

बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

कविता

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता

राजपाल सिंह गुलिया

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठट्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़े गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सभ नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सभनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत

ऑनर्स), एमए (अंग्रेज़ी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख़्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज

को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है। मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

जाटव धर्मशाला में जटिया समाज विकास समिति ने किया रविदास जयंती पर कार्यक्रम

हवन, भंडारे व शोभायात्रा निकालकर धूमधाम से मनाई गुरु रविदास जयंती

■ विधायक गीता भुक्कल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए हवन में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर की जाटव धर्मशाला में जटिया समाज विकास समिति द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। धर्मशाला परिसर स्थित गुरु रविदास मंदिर में विशेष पूजा अर्चना और हवन किया गया। जिसमें पूर्व शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक गीता भुक्कल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए हवन में भाग लिया और सर्वमंगल की कामना करते हुए आहुति डाली। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास के समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने युवाओं को गुरु रविदास की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। जटिया समाज विकास समिति के प्रधान कपिल चांदोलिया ने कहा कि गुरु रविदास संत होने के साथ साथ महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने समाज से अनेक बुराइयों को समाप्त करने के लिए कदम उठाएं थे। उनकी वाणी, शिक्षाएं व आदर्श अमर हैं। उन्होंने कहा कि शहर में शोभा यात्रा भी निकाली गई। कार्यक्रम में नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल, नगर पार्षद दिनेश छिकारा, नगर पार्षद जयपाल सिंह बांगड़, पार्षद प्रतिनिधि जयसिंह, धन्नू राम, लखीराम, मनेश खेड़ा, मास्टर औमप्रकाश, राजपाल ठेकेदार, नरेश चांदोलिया, सुरेश कुमार, महेश, कृष्ण, लाजपत, भारत, हितेश सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। विधायक गीता भुक्कल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए समिति प्रधान कपिल कुमार। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। 101 कुंडीय यज्ञ में शामिल अतिथि व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गुरु रविदास जयंती पर किया 101 कुंडीय यज्ञ

झज्जर। जिले के गांव धनिया स्थित हनुमान मंदिर में रविवार को गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में 101 कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दयानंद एंग्लो वैदिक पब्लिक स्कूल कोसली के विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयोजनकर्ता इंद्र कौशिक ने बताया कि यज्ञ कार्यक्रम में मंदिर महंत मिथलेस दास ने जहां मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की वहीं ग्राम सरपंच सरोज बाला, आचार्य सुनील कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों के साथ मिलकर गुरु रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। हवन उपरांत विद्यार्थियों व उपस्थित जनसमूह ने किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने व एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की शपथ ली। इस मौके पर मंदिर कमेटी प्रधान वीर सिंह, मास्टर मोधुराम, धर्मवीर, बलवान, राम, कैलाश, ओम सिंह, भूप सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रविदास जयंती पर विधायक ने पांच लाख देने की घोषणा की

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती के अवसर पर हुए कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए श्रद्धा व सम्मान प्रकट किया। उन्होंने लाइनपार स्थित शंकर गार्डन में आयोजित जयंती समारोह में पहुंचकर संत रविदास को नमन किया। कार्यक्रम स्थल के विकास के लिए 5 लाख रुपये की सरकारी ग्रांट देने की घोषणा की। विधायक राजेश जून ने गांव बराही, लुहारहेड़ी, जसौर व जाखोदा गांवों में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने संत गुरु रविदास के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उनके द्वारा दिखाए गए समता, भाईचारे और मानवता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। विधायक ने सभी कार्यक्रमों में अपनी तरफ से 11-11 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की। विधायक राजेश जून ने कहा कि संत गुरु रविदास ने अपने विचारों से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करते हुए समानता आधारित समाज की नींव रखी। उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं और युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

50 लोगों ने किया रक्तदान

बहादुरगढ़। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जयंती पर लाइनपार के कमल विहार में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अधिवक्ता जेबी भाटिया, चांद जून व डॉ. जीवन भाटिया आदि के सहयोग लगे शिविर में 50 से अधिक यूनिट रक्त संचय किया गया। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने संत गुरु रविदास जी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन मानवता, समानता और सेवा की प्रेरणा देता है। इसी भावना के साथ यह शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आशीर्वाद ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संचय किया।

बहादुरगढ़। कैंप में रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

युवाओं ने किया रविदास को नमन

झज्जर। गुरु रविदास को नमन करते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। महान संत, कवि और समाज सुधारक गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में जयहिंद कॉलोनी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंडियन जागृति मंच द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने गुरु रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इंडियन जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चैनसुख गुरहिया ने बताया कि गुरु रविदास ने जात-पात और ऊंच-नीच के खिलाफ अपनी आवाज उठाते हुए सभी को ईमानदारी और प्रेम का पाठ पढ़ाया था। उनकी भक्ति और ज्ञान के कारण सभी वर्ग के लोगों द्वारा उनका सम्मान किया जाता है। इस मौके पर बलराज सिंगल, प्रदीप कुमार, मुकेश सिंगला, हर्ष सिंगल, मोहित, मनोज, हर्षित, प्रियांशी, भारती, निशु, अंशु, नैंसी, प्रतिभा, पायल, मुस्कान, रितिका, दीपिका, पूनम, अंजू, गौतम, विनोद सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सौ कुंडीय यज्ञ कर नशे से दूर रहने का दिया संदेश

डीएवी पुलिस पब्लिक ने स्थानीय टाउन पार्क में नो नशा नेशन अभियान चलाया

■ नशा मुक्त भारत विषय पर एक मार्मिक और प्रेरणादायक नाटक का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल द्वारा स्थानीय टाउन पार्क में नो नशा नेशन अभियान को लेकर सौ कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए हवन में आहुति डाली और सर्व मंगल की कामना की। कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत विषय पर एक मार्मिक और प्रेरणादायक नाटक का मंचन भी किया गया। नाटक के माध्यम से नशे से दूर रहने और एक सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने युवाओं को नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक किया। वहीं संस्थान प्राचार्य पंकज वालिया ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना नहीं है, बल्कि उन्हें हमारी समृद्ध वैदिक संस्कृति से पुनः जोड़ना भी है, जो आत्म-नियंत्रण और जीवन मूल्यों का आधार है।

झज्जर। सौ कुंडीय हवन में भाग लेते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

अखिल भारतीय हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेंगी मिड-डे-मील वर्कर्स : दुजाना

■ वर्कर्स को पक्का कर्मचारी घोषित करने, बारह माह का वेतन देने, रिटायरमेंट पर पांच लाख रुपये की राशि देने आदि की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मिड-डे-मील वर्कर्स यूनियन जिला कमेटी की बैठक रविवार को यूनियन पदाधिकारी प्रेम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित यूनियन की प्रदेशाध्यक्ष सरोज दुजाना ने बताया केंद्र सरकार ने सभी श्रम कानूनों को बदल कर देश के श्रमिकों के खिलाफ जो कदम उठाया है वे उसकी निंदा करते हैं। उन्होंने सरकार से मिड-डे-मील वर्कर्स को पक्का कर्मचारी घोषित करने, बारह माह का वेतन देने, रिटायरमेंट पर पांच लाख रुपये की राशि देने आदि की मांग की। आगामी बारह फरवरी को होने वाली अखिल भारतीय हड़ताल में सभी मिड-डे-मील वर्कर्स बढ़- चढ़कर भाग लेंगी। इस मौके पर मीनू, शीला, दर्शना, विमशे, सुनीता, सूरजमुखी, बबीता, राजबाला, मंजू, राजेश, भारती, बिमला अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। बैठक में चर्चा करते हुए मिड-डे-मील वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

नेशनल मुएथाई चैंपियनशिप में तीन खिलाड़ियों ने जीते मेडल

बहादुरगढ़। बीते दिनों हैदराबाद में हुई नेशनल मुएथाई चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ के खिलाड़ी छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां के तीन खिलाड़ियों ने मेडल जीते। हितेश ने 105 किलोग्राम भारवर्ग में सिलवर मेडल जीता, जबकि सौरभ राठी ने 91 किलोग्राम भारवर्ग तो दीपक ने 75 किलोग्राम भारवर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रांज मेडल जीते। ये तीनों खिलाड़ी शहर में स्थित हरियाणा फाइट क्लब में अभ्यास करते हैं। कोच सन्नी सहरावत ने कहा कि तीनों बेहद होनहार खिलाड़ी हैं।

बहादुरगढ़। चैंपियनशिप में ऑफिशियल्स व कोच के साथ विजेता खिलाड़ी।

झज्जर। रथ यात्रा के साथ उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को बाल विवाह न करने को लेकर किया जागरूक

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था द्वारा चलाई जा रही बाल विवाह मुक्ति रथ यात्रा रविवार को चौथे दिन नौगांवा, रूड़ियावास, सासरौली, सुंदरहेटी व अमादलशाहपुर पहुंची। गांवों में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को बाल विवाह से होने वाले नुकसान से अवगत कराते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। रूडियावास ग्राम सरपंच सुमन ने कहा कि बेटियों के प्रति लोगों की सोच संकीर्ण है। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रमों से लोगों की सोच में बदलाव आएगा। इसी प्रकार नौगांवा सरपंच अजय कुमार ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायत पूरी तरह से सक्रिय है। ग्रामीणों ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया। इस मौके पर सीमा, मनीष, राजबाला सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पंडित जसराज की जयंती पर कार्यक्रम आज

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि सोमवार को महान शास्त्रीय संगीतज्ञ पंडित जसराज की जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन फतेहाबाद जिले के गांव पीली मंदोरी में किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने जिले के सभी शास्त्रीय गायकों, भजन गायकों एवं लोक कलाकारों से इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है ताकि पंडित जसराज की संगीत साधना और सांस्कृतिक विरासत को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जा सके।

मुख्यमंत्री के ओएसडी ने किया शहीद मोहित की शहादत को नमन

झज्जर। शहीद मोहित के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए सीएम के ओएसडी वीरेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। रविवार को मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह ने शहीद मोहित चौहान के पैतृक गांव गिजाडौद में उनके निवास स्थान पर पहुंचकर वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का संदेश शोकाकुल परिवार तक पहुंचाते हुए कहा कि झज्जर को वीरभूमि के रूप में जाना जाता है। शहीद मोहित की शहादत को कोटि कोटि नमन किया है। उन्होंने शहीद के इस सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए आश्वस्त किया है कि हरियाणा सरकार शहीद मोहित के परिवार के साथ हर समय मजबूती से खड़ी है। शहीद का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी संदेश दिया कि सरकार शहीद के परिवार के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी और उनके त्याग को सदैव सम्मान के साथ स्मरण रखा जाएगा। उन्होंने शहीद मोहित की धर्मपत्नी अंजलि, पिता सतपाल सिंह चौहान, माता रेखा देवी और छोटे भाई जितेंद्र को सांत्वना दी।

विजेता विद्यार्थियों को मिलेंगे स्कूटी, लैपटॉप, किंडल व एजुकेशन किट जैसे आकर्षक पुरस्कार

ऑन द स्पॉट टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन में 1173 विद्यार्थियों ने दिखाई रुचि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल द्वारा रविवार को ऑन द स्पॉट टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे चरण में बेरी, दूबलधन, इमलौटा व मातनहेल से 1173 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। दूबलधन से 310, बेरी से 323, इमलौटा से 330 और मातनहेल से 210 विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्रवृत्ति प्रतियोगिताओं के लिए स्कूल द्वारा निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई गई। संस्कारम समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम चरण में रोहतक, दादरी व साल्हवास से भागीदारी करने वाले 634 प्रतिभावान विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि इन सभी परीक्षाओं के परिणाम विद्यालय की वेबसाइट पर डाल दिए जाएंगे। आगामी आठ फरवरी को स्कूल के वार्षिक समारोह में विजेता विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, किंडल, एजुकेशनल किट व कैश प्राइज प्रदान किए जाएंगे। इस परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों के लिए आगामी 15 फरवरी को डीघल, छारा, बादली, कबलाना और माछरौली में तीसरा चरण संपन्न किया जाएगा। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा की ओर से गुरुग्राम के गांव खेड़ा खुर्मपुर व क्षेत्र के गांव माछरौली में छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई 510 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करती हैं।

झज्जर। ऑन द स्पॉट टैलेंट सर्च एग्जाम देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पेस ग्रुप की प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में 2103 विद्यार्थी आए

झज्जर। परीक्षा से पूर्व पेस संस्थान परिसर में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। रविवार को पेस ग्रुप द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च परीक्षा में जिले के 2103 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पेस ग्रुप के निदेशक जय विकास ने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा में दूसरी में 283, तीसरी कक्षा में 311, चौथी में 207, पांचवीं में 234, छठी में 365, सातवीं में 185, आठवीं में 208, नौवीं में 102 तथा दसवीं में 208 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे। परीक्षा परिणाम आगामी आठ फरवरी को घोषित किया जाएगा। इस मौके पर पेस ग्रुप के चेयरमैन युद्धवीर प्रबंध निदेशक हरीश, संदीप, सुमित चावला, अश्वनी तथा शैक्षणिक निदेशक जय भगवान सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर परिषद बहादुरगढ़

नोटिस आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ओमवती (पत्नी), सतपाल (पुत्र), विनोद (पुत्र), प्रीतम (पुत्र) W/o S/o श्री जिले सिंह निवासी झील वाला मोहल्ला बहादुरगढ़ द्वारा Online NDC Portal पर Property ID No. 3BJQTOP9 वार्ड नम्बर 15 कॉलोनी झील वाला मोहल्ला जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ में नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 91 से 99.7 वर्ग गज करवाने हेतु Online Application No.... द्वारा अप्लाई किया है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति नंबर 3BJQTOP9 वार्ड नम्बर 15 कॉलोनी झील वाला मोहल्ला पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त सम्पति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह सम्पति नंबर 3BJQTOP9 / 99.7 वर्ग गज प्रार्थी श्रीमती ओमवती (पत्नी), सतपाल (पुत्र), विनोद (पुत्र), प्रीतम (पुत्र) W/o S/o श्री जिले सिंह के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी, जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हस्ता/- कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

बजट पर विभिन्न वर्गों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं आईं सामने, भाजपा ने सराहा तो कांग्रेस ने नकारा

पर्यटन के विकास और करदाताओं को राहत पर जताई खुशी, हरियाणा को विशेष सौगात न मिलने पर निराशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

केंद्र सरकार की ओर से रविवार को पेश किए बजट पर शहरवासियों की मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। रॉयल ग्रीन रियल्टी के मैनेजिंग डायरेक्टर यशांक वासन के अनुसार केंद्रीय बजट के बाद रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ी ग्रोथ हासिल होने वाली है। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए वित्त मंत्री ने बजट में विशेष प्रावधान किए हैं, जिसका सीधा पॉजिटिव असर रियल एस्टेट सेक्टर पर भी आएगा और शहरी विकास तेजी से होगा।

हर वर्ग के लिए अच्छा रहा बजट : डॉ. जैन

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन के अनुसार यह विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट है। यह बजट देश के हर वर्ग गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पर विशेष ध्यान है।

बजट में हरियाणा के हाथ रहे खाली : यादव

युवा कांग्रेस के प्रदेश मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव के अनुसार बजट में न तो हरियाणा के विकास के लिए कोई विशेष प्रावधान किया गया है और न ही राज्य की प्रमुख समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है। महंगाई व बेरोजगारी पर लगाम के कोई उपाय नहीं किए गए। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों की अनदेखी की गई है।

करदाताओं को मिलेगी राहत : सीए गुप्ता

सीए विनीत गुप्ता के अनुसार, एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाला नया आयकर अधिनियम, सरल आईटीआर फॉर्म, एनआरआई से संपत्ति खरीद पर पैन-आधारित टीडीएस, एलआरएस और टूर पैकेज पर टीसीएस दर को 5 से घटाकर 2 प्रतिशत करना, संशोधित आईटीआर की समय-सीमा 31 मार्च तक बढ़ाना और मोटर एक्सीडेंट क्लेम के ब्याज को कर-मुक्त करना करदाताओं को बड़ी राहत देगा।

युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया : परुथी

भाजयुमो के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चिराग परुथी के अनुसार बजट में मोदी सरकार ने रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमई, युवाओं, पर्यटन और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित किया है। साथ ही किसान, व्यापारी व अन्य वर्गों का भी पूरा ध्यान रखा है। इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

हरियाणा की बजट में अनदेखी की : गौतम

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता नीरज गौतम के अनुसार केंद्रीय बजट से हरियाणा को निराशा हाथ लगी है। कमाऊ प्रदेश के लिए बजट में न कोई विशेष पैकेज, न कोई विकास का विजन और न कोई बड़ी घोषणा हुई। केवल टैक्स वसूलने तक सीमित मोदी सरकार के बजट में युवाओं, किसानों व उद्योग की अनदेखी की गई है।

विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने वाला बजट : वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित भाजपाई। फोटो : हरिभूमि

भाजपा जिला कार्यालय कमलम में केंद्रीय बजट का लाइव प्रसारण सामूहिक रूप से सुना गया। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने वाला बजट बताया।

बजट तीन प्रमुख कर्तव्यों आर्थिक वृद्धि, जन आकांक्षाओं की पूर्ति और सबका साथ सबका विकास पर आधारित रहा। उन्होंने कहा कि बजट में निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को मजबूत करने के प्रावधान किए गए हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और अधिक सशक्त होगी तथा युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस बजट में सुविधाओं का विस्तार किया गया है।

यह बजट केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों और विश्वास का बजट है। इस दौरान जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला आदि मौजूद रहे।

जेजेपी ने यूथ योद्धा जिला सम्मेलन का किया आयोजन, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने भरा जोश

चुनावी माहौल में सिर्फ दक्षिण भारत पर फोकस कर तैयार किया गया केंद्रीय बजट : दुष्यंत चौटाला

जजपा हर जिले में युवा योद्धा सम्मेलन करके युवाओं को जोड़ने का कार्य कर रही : दिग्विजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान पूर्व डिप्टी सीएम को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए पदाधिकारी।

रविवार को जेजेपी द्वारा यूथ योद्धा जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। जबकि युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला विशेष रूप से मौजूद रहे। बाद में मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने केंद्रीय बजट को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का बजट चुनावी गणित और दक्षिण भारत के राज्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जबकि हरियाणा को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। हरियाणा के हिस्से केवल निराशा ही आई। उन्होंने कहा कि बजट हरियाणा के लिए हीं नहीं बल्कि केरल और तमिलनाडु को छोड़कर देश के अन्य हिस्सों के लिए भी एक तरह से निराशावादी रहा।

केंद्र की मोदी सरकार की पुरानी परंपरा रही है कि बजट जब भी पेश किया जाता है वह केवल उन्हीं राज्यों के लाभ के लिए पेश किया जाता है जहां पर चुनाव होने हो। उन्होंने यूथ योद्धा सम्मेलन को पार्टी की भविष्य की राजनीतिक ताकत बताया।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की 55 प्रतिशत आबादी के साथ चलने की सोच है और उसी पर उनकी पार्टी काम कर रही है। वहीं दिग्विजय सिंह चौटाला ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज जजपा हर जिले में युवा योद्धा सम्मेलन करके युवाओं को जोड़ने का कार्य कर रही है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संजय दलाल, जिला प्रभारी एसएस राठी, राकेश जाखड़, डॉक्टर विकास पाराशर, मिंटू ठेकेदार, शीला गोदारा, अजय गुलिया, भूपेंद्र गहलावत, सविन पंघाल, नसीब भारतीय, धर्मेंद्र आदि मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

गायत्री महायज्ञ कर स्वामी शक्तिवेश को दी श्रद्धांजलि

झज्जर। शहर के टिल्ला मोहल्ला स्थित प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को स्वामी शक्तिवेश महाराज के 37वें बलिदान दिवस पर गायत्री महायज्ञ व श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आत्मशुद्धि आश्रम बहादुरगढ़ के अधिष्ठाता आचार्य विक्रमदेव ने की। उन्होंने बताया कि स्वामी शक्तिवेश ने अनेक गुरुकुलों व वैदिक संस्थाओं का संचालन किया। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक के वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी सच्चिदानंद ने लोगों से आह्वान किया कि वे मां भारती की सेवा में अपने जीवन को समर्पित करें। ब्रह्मा मुकेश योगाचार्य ने बताया कि जिन परिवारों में यज्ञ होता है वह परिवार कष्टों में भी नहीं घबराता। कार्यक्रम के आयोजक पंडित जयभगवान आर्य ने अपने परिजनों के साथ मिलकर सभी अतिथियों को वैदिक साहित्य भेंट करते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर कृष्ण मंदिर योग आश्रम करनावास रेवाड़ी के संचालक योगेंद्र, नैष्ठिक गजराज, कृष्णानंद, आचार्य शतक्रतु, ब्रह्मचारी अनंत, ब्रह्मचारी इंद्रजीत, जितेंद्र बराणी, सत्यपाल वत्स, धर्मबीर फौजी, रिटायर्ड फ्लाईंग अफसर महाबीर, चमनलाल, आचार्या अरविंद गार्गी, सुमित्रा, कृष्णा, सुरेश, विद्या सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कार्यशाला में बनाई कलाकृतियां दिखाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

ब्लॉक प्रिंटिंग, डाई और नेल आर्ट के गुर सिखाए

बहादुरगढ़। गांव परनाला में वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट द्वारा शिविर के 5वें दिन आर्ट एंड पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने स्वयंसेविकाओं से कहा कि सशक्त होने के लिए आत्मनिर्भर बनना जरूरी है। हमें अपनी क्षमता को पहचान कर उस कला में निपुणता हासिल करनी चाहिए। रविवार को एनएसएस गीत व योग के साथ प्रातःकालीन सत्र का शुभारम्भ हुआ। सहायक प्रोफेसर वर्षा राठी ने आर्ट एंड पेंटिंग कार्यशाला में छात्राओं को ब्लॉक प्रिंटिंग, टाई एंड डाई तथा नेल आर्ट की बारीकी सिखाई। छात्राओं ने डिस्पोजेबल बर्तन बनाने, अपनी रसोई बनाने, देसी अचार बनाने, मोटे अनाज से संबंधित मिठाई बनाने व कंप्यूटर शिक्षा आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. नेहा नैन ने बताया कि सायंकालीन सत्र में छात्राओं ने शिक्षित बेटी, जल बचाओ, स्वच्छ पर्यावरण, नशा मिटाओ, साइबर क्राइम आदि विषयों पर रैली निकालकर ग्रामवासियों को जागरूक किया। साइबर क्राइम पर आधारित नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। डॉ. नैना फोगाट ने कार्यशाला, रैली व नुक्कड़ नाटक के सफल संचालन में अहम भूमिका निभाई।

एचटी लाइन के खिलाफ चलाए आंदोलन की सफलता पर किया गया सम्मानित

- क्षेत्र के गांव बिरधाना में हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। मंच पर उपस्थित विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। सम्मान समारोह में उपस्थित किसान संगठनों के प्रतिनिधि एवं ग्रामीण।

क्षेत्र के गांव बिरधाना में किसानों द्वारा एचटी लाइन के विरुद्ध चलाए जा रहे आंदोलन की सफलता के उपलक्ष्य में रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में झज्जर के अलावा दिल्ली, सोनीपत, महेंद्रगढ़ व हांसी जिले के किसान प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कर्मबीर दहिया ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हम जो मुआवजा राशि सोच भी नहीं रहे उससे कहीं ज्यादा मुआवजा आज लोगों को हमारे मोर्चा की रणनीति और नेतृत्व की सूझबूझ से मिला है। इस आंदोलन में बिरधाना गांव का मुआवजा 7 लाख से बढ़कर करीब 40 करोड़ पहुंच गया है।

जिले के विभिन्न गांवों में करीब एक हजार करोड़ से अधिक की मुआवजा राशि का वितरण किया जा रहा है। जिससे किसानों में खुशी की लहर है। उन्होंने बताया कि जिले के बीस गांवों से गुजरने वाली एचवीपीएनएल की एचटी लाइन का काम किसानों द्वारा रोका गया था। अब पावर ग्रिड की एचटी लाइन की तर्ज पर प्रदेश सरकार द्वारा मुआवजा दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

इस मौके पर आजाद सरपंच, संदीप, कवित, जगदीश, महेंद्र, अरुण, राकेश, भूपेंद्र, सोनू गिरावड़, कमल, मनोज, जगबीर, सुमेर, रमेश, भेद सिंह, देवेंद्र, बसंत, पारस, डॉक्टर महेंद्र, रेखा, सरला, जयकौर, ऋषिपाल धौड़, योगेश, संदीप, वजीर सिंह, एडवोकेट नंदलाल, रणबीर ठेकेदार, धर्मेंद्र, संदीप राठी, पवन, सत्यनारायण, कर्मबीर बिरधाना, संदीप गिरावड़ सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते दिनेश शेखावत।

मनोज अत्री को प्रदेश उपाध्यक्ष और रमेश राठी को झज्जर अध्यक्ष बनाया

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय गोरक्षा वाहिनी गो सेवा संघ द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। संगठन के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शेखावत ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए आह्वान किया कि वे गो सेवा के इस मिशन को गांव-गांव तक लेकर जाएं। दिनेश शेखावत ने बताया कि राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह सेंगर के मार्गदर्शन में गोवंश के संरक्षण और सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए संगठन संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि मनोज अत्री को प्रदेश उपाध्यक्ष, पंकज गर्ग को प्रदेश सचिव, रमेश राठी को जिला झज्जर अध्यक्ष, वीरेंद्र सिंह छिल्लर को जिला उपाध्यक्ष, हेमंत सिंह उर्फ आकाश को जिला उपाध्यक्ष व मनीष कुमार जिला रोहतक का उपाध्यक्ष बनाया गया है। आरबी गौड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मनोज सिन्हा, प्रमोद सिंह, विकाश, योगेश सहगल, सतबीर सिंह चौहान, नवीन सैनी, ललित जैन, सुदेश रंगा, कविता रंगा, सीमा संखोल, अखिलेश शेखावत, नितेश स्वामी, संजय वर्मा, प्रेम सैनी, बली सैनी, डीसी सैनी, गोपाल माहेश्वरी, उत्तम मिस्त्री, कृष्ण डांगी, ज्योति, सूर्या, भानू सैनी, कविता, रवि कुमार, विकास व राजू सिंह आदि मौजूद रहे।

कंप्यूटर में तमन्ना प्रथम व लक्ष्य रहे द्वितीय

- सूर्या कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर के तृतीय बैच में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को सर्टिफिकेट बांटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देते अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

सूर्या फाउंडेशन की आदर्श गांव योजना के अंतर्गत संचालित सूर्या कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर के तृतीय बैच में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कंपनी के उत्पादन प्रबंधन संदीप श्रीवास्तव व महानारायण आदि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। तमन्ना ने 100 में से 90 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, लक्ष्य ने 88 अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा सन्नी ने 87 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इन मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कंप्यूटर शिक्षा को समय की आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर क्षेत्र प्रमुख कवल कुमार व कंप्यूटर शिक्षिका नीति भी मौजूद रहे।

टैलेंट सर्च स्कॉलरशिप प्रतियोगिता में 2227 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। एमआर स्कूल हसनपुर में रविवार को 12वीं टैलेंट सर्च एवं स्कॉलरशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से 2227 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सवा घंटे की इस परीक्षा में गणित, अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान, विज्ञान एवं रीजनिंग से संबंधित प्रश्न पूछे गए। स्कूल निदेशिका संगीता कोडान ने बाहर से आए सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए उनसे कहा कि अपने बच्चों के लिए विद्यालय का चयन करते समय उन्हें शिक्षकों की गुणवत्ता, शैक्षणिक परिणाम, खेलकूद सुविधाएं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने कविता पाठ, लघुनाटक, एकल एवं समूह नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। परीक्षा के प्रतिभागियों के लिए एक लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया गया जिसमें झज्जर की रावी को लैपटॉप, सिंकदरपुर की महक को साइकिल, कासनी से दर्पण व फतेहपुरी से गीतिका को जूसर मशीन प्रदान किए गए।

- लक्की ड्रॉ में विद्यार्थियों ने जीते लैपटॉप व साइकिल जैसे उपहार

शिक्षकों के साथ उपस्थित लक्की ड्रॉ के विजेता प्रतिभागी।

बहादुरगढ़। भ्रमण के दौरान डॉ. रेनू के साथ स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

स्वयंसेवकों ने झज्जर गुरुकुल व भिंडावास का किया भ्रमण

बहादुरगढ़। राजकीय महाविद्यालय बादली में एनएसएस शिविर के चौथे दिन की शुरुआत खेलकूद व व्यायाम गतिविधियों के साथ हुई। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने झज्जर गुरुकुल और भिंडावास औषधालय का भ्रमण किया। रविवार को हुई गतिविधियों में स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ अनुशासन का प्रदर्शन किया। प्राचार्य आनंद कादियान के मार्गदर्शन और डॉ. रेनू व डॉ. संदीप के नेतृत्व में महाविद्यालय में स्वयंसेवक जलपान के बाद झज्जर गुरुकुल के लिए रवाना हुए। वहां स्वयंसेवकों ने संग्रहालय का अवलोकन किया। संग्रहालय में भ्रमण के दौरान प्राचीन मुगल शासकों द्वारा चलाई गई मुद्राएं, विभिन्न भाषाओं में लिखे शब्द प्राचीन मूर्तियां, भारत-पाकिस्तान 1965 के युद्ध में प्रयुक्त टैंक, प्राचीन सिक्के, आचार्य बलदेव जी महाराज के कपड़े तथा विभिन्न देशों की टिकट आदि चीजों का अवलोकन किया। भिंडावास में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने 6 किलोमीटर पैदल चलकर झील का अवलोकन किया। स्वयंसेवक महाविद्यालय वापस लौटे और खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

जटेला धाम में स्वामी नितानंद महाराज के आश्रम में पूर्णिमा महोत्सव एवं सम्मान समारोह

225 बेड का आयुर्वेद चिकित्सालय मानवता की सेवा का बनेगा मंदिर : बेदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी। फोटो : हरिभूमि

रविवार को गांव माजरा दूबलधन स्थित तपोभूमि जटेला धाम में स्वामी नितानंद महाराज के आश्रम में आयोजित पूर्णिमा महोत्सव एवं सम्मान समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्वामी नितानंद महाराज का यह धाम अध्यात्मिक चेतना से जोड़ता है। जटेला धाम की यह पवित्र तपोभूमि संतों के आशीर्वाद से आध्यात्मिक केंद्र के रूप में पहचान स्थापित कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब संत मार्गदर्शन करते हैं तो समाज सही दिशा में चलता है और कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। उन्होंने कहा कि स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के सानिध्य में बन रहा यह 225 बेड का आयुर्वेद चिकित्सालय मानवता की सेवा का एक मंदिर है। इस संस्थान के बनने के बाद क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा सुविधा मिलेगी। उन्होंने निर्माणाधीन आयुर्वेदिक अस्पताल के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। वहीं महंत राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि स्वामी नितानंद एक महान संत थे जो समाज को प्रेरणा देते हैं। ऐसे संत अच्छे विचार देते हैं जिन पर चलते हुए समाज आगे बढ़ता है।

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार करवाती सुनील देवी। फोटो : हरिभूमि

मॉडल संस्कृति स्कूल में किया सूर्य नमस्कार

बहादुरगढ़। शहर के रेलवे रोड स्थित मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयुष विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हर घर योग सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। आयुष विभाग से सुनील देवी ने उपस्थित विद्यार्थियों को योग के लाभों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित योग अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है और तनाव से मुक्ति मिलती है। प्रिंसिपल मंजू रानी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा सूर्य नमस्कार की विभिन्न क्रियाओं का सही ढंग से अभ्यास कराया गया।